

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 251 , सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8  9471060219, 9470050309  www. bordernewsmirror@gmail.com



आगामी 11 नवंबर को शिक्षा दिवस समारोह, 60 शिक्षकों समेत कई विभूतियां होंगी सम्मानित

03



सीपीआई (एम) के प्रशिक्षण शिविर में 104 पार्टी सदस्यों ने लिया प्रशिक्षण, संगठन की मजबूती...

04

‘उड़ता तीर’ ने दूसरे दिन भरी उड़ान, ‘दृश्यम 3’ की लंबी छलांग, ‘नई...

07



संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के जलगांव में आरएसएस के पथ संचलन पर बवाल

- धार्मिक स्थल के सामने हुआ पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तना की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। पथ संचलन के विरोध में पुरुषों ने



महिलाओं को आगे कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान पथराव होने की बात भी सामने आ रही है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, किंगगांव गांव में आरएसएस के रूट मार्च के दौरान एक मस्जिद के पास विरोध-प्रदर्शन होने से तनाव फैल गया। पथराव की खबर है और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना के बाद जिला पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। बवाल की सूचना मिलते ही सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

आज सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होंगे राहुल गांधी

- अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में आएगा फैसला

सुल्तानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपतिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट फैसला सुनाएगा। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने इस



महत्वपूर्ण मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया है। कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्र ने 4 अगस्त

2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि परिवार दायर किया था। उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह के खिलाफ आपतिजनक टिप्पणी की थी, जिससे उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची। राहुल गांधी 20 फरवरी 2024 को अदालत में पेश होकर जमानत करा चुके हैं। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 13 अक्टूबर, 2026 को एमपी-एमएलए कोर्ट में दोनों पक्षों के वकीलों की बहस की कार्यवाही पूरी हो चुकी है। इसके बाद अदालत ने मामले में फैसला सुनाने का फैसला किया था। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने अपनी लिखित बहस दी है।

काशी के नमो घाट पर राफेल सुखोई ने दिखाए करतब

- वायु सेना का शौर्य देख गदगद हुए पीएम, लाखों लोग रोमांचित
- वायुसेना के एयर शो में 100 विमानों ने दिखाई अपनी ताकत

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को वाराणसी के नमो घाट पर एयर शो देखा। शो में 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमान भी शामिल थे। पीएम मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने भी एयर शो देखा। नमो घाट पर पीएम मोदी ने करीब एक घंटे तक वायु सेना का शौर्य देखा। इसके बाद वायु सेना के चीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।



त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से ही खरीदें सामान:मोदी

मन की बात में पीएम की आम जनता से अपील



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने मन की बात के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा। पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कनाडा के कलबुर्गी की अरहर दाल समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रस्तावित बांध का मकसद चीन से आने वाले पानी को नियंत्रित करना और बाढ़ का खतरा कम करना है। सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था।

मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम का शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के समान है। मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपये से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है।

दुश्मन की रणनीति के हिसाब से खुद को ढालना जरूरी

- एयरफोर्स चीफ बोले-कोई लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं
- एयर चीफ मार्शल बोले-ऑपरेशन सिंदूर में साबित भी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। ऑपरेशन से एक



सबक साफ है कि हमें हमेशा कई विकल्प अपने पास रखने चाहिए और दुश्मन की रणनीति बदलने पर

तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने यह बात एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कही। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली। इसमें सटीक खुफिया जानकारी, एक-दूसरे से जुड़े सैन्य नेटवर्क, दूर से हमला करने वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, मजबूत वायु रक्षा प्रणाली और ड्रोन को रोकने की क्षमता ने मिलकर काम किया।

सेना ने एलओसी में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 ट्रिस्ट की हत्या की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था।

बिहार में खड़गे के कार्यक्रम में भारी हंगामा

- मोदी कहीं नहीं जाएंगे सुन खड़गे के बिगड़े बोल
- खड़गे बोले- मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा

पटना (एजेंसी)। पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बापू सभागार में भाषण दे रहे थे। तभी एक शख्स उठकर बोला कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर खड़गे गुस्सा होकर बोले- मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा। यह बात उन्होंने 3 बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने इस शख्स की पिटाई कर दी, जिसने कहा था- मोदी नहीं जाने वाले। मल्लिकार्जुन खड़गे पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।



भाजपा बोली- इनकी कार्यशैली माफियाओं जैसी

भाजपा ने एक्स पर खड़गे का वीडियो शेयर करके लिखा- कभी जिस भाषा को गुंडे-मवालों से जोड़ा जाता था, आज कांग्रेस अध्यक्ष उसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक माफिया गैंग प्रतीत होती है। बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त 2025 को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गोली दी गई थी। इसके विरोध में बिहार बंद किया गया।

चुनाव आयोग और मोदी सरकार के बीच सांट-गांट

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि श्री बाबू के समय में कुछ काम हुए या नेहरू के शासन में कोई तरक्की हुई तो बीजेपी के लोग बोलते हैं कि हमने किया। बीजेपी वाले वर्तमान की बात न करके नेहरू-इंदिरा काल में चले जाते हैं। पिछले दिनों जो कुछ घटना घटी हैं, उससे पता चल रहा है कि चुनाव आयोग और मोदी सरकार के बीच बड़ी सांट-गांट हुई है। ज्ञानेश कुमार के आने के बाद मोदी जी ने ऐसा कानून लाया कि कुछ भी गलती कर तो उन्हें 12 खून माफ है।

बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाले नायक थे श्री बाबू

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि श्री बाबू आधुनिक बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाले नायक थे। आज कई जगह लैंड रिफॉर्मस के कानून आए हैं, उसके लिए इंदिरा गांधी ने तो बहुत काम किया था। 1937 में बिहार में कांग्रेस की पहली सरकार श्री कृष्ण बाबू के नेतृत्व में बनी। इसके बाद आजाद भारत में 1947 में बिहार में सरकार बनी। उनके मुख्यमंत्री काल में जमींदारी प्रथा खत्म, भूमि सुधार और चक्करी एक्ट आई।

वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा

अब वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इसके लिए लड़ाकू विमानों और सैन्य संसाधनों की संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही, खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, ड्रोन को रोकने और मजबूत नेटवर्क बनाने की क्षमता बढ़ानी होगी। फैसले लेने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल भी बढ़ाना होगा। भारतीय वायुसेना का विजन 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य से जुड़ा है। विकसित भारत के लिए देश का सुरक्षित और संकटों का सामना करने में सक्षम होना भी जरूरी है। 2047 तक हमारा लक्ष्य दुनिया की सबसे सक्षम, नवाचारी और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर एयरोस्पेस सेनाओं में शामिल होना है।

केरलम में स्कूटर सवार की मौत, पीड़ित परिवार नाराज

जज के नाबालिग बेटे ने मर्सिडीज से मारी टक्कर

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)।

केरलम के कोच्चि में शनिवार देर रात मर्सिडीज कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 55 साल के स्कूटर सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार चलाने वाला एंड्रयूथल सेशन जज का बेटा है। उसकी उम्र 17 साल है। कार जज के नाम पर रजिस्टर्ड थी। हादसा रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ। घटनास्थल के एक वीडियो में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन में जब उन्होंने नाबालिग को कार चलाने देने पर सवाल उठाया, तो जज ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। हादसे में जान गंवाने शख्स की पहचान जयबालकृष्णन के रूप में हुई है। वह करीब 30 साल से अपनी



पत्नी मंजू के साथ सड़क किनारे खाने का स्टॉल चला रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जयबालकृष्णन ने शनिवार रात चित्तूर मंदिर के पास अपना स्टॉल बंद किया था। वह रोज शाम करीब 4 बजे दुकान खोलते थे और वहां मुख्य रूप से डोसा सहित शाकाहारी खाना बेचते थे।

आरोपी जज की परमीशन के बिना कार लेकर निकला

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अलुवा में रहता है और अपने माता-पिता की जानकारी के बिना मर्सिडीज-बेंज लेकर निकला था। कार वल्लारपदम से कलामस्सेरी की ओर जा रही थी, तभी उसने जयबालकृष्णन की स्कूटी को टक्कर मार दी। घेरानेल्लूर पुलिस ने किशोर को घटनास्थल से हिरासत में लिया और कार जब्त कर ली। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत केस दर्ज किया गया है। ये धाराएं सार्वजनिक रास्ते पर लापरवाही से वाहन चलाने और लापरवाही से मौत होने से संबंधित हैं। पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि हादसे के समय नाबालिग चालक नशे में नहीं था। हालांकि, आगे की जांच के लिए उसके ब्लड सैंपल लिए गए हैं।

संक्षिप्त

समाचार

खेत में घास काट रही महिला से जबरदस्ती, बच्ची के देखने पर हुआ फरार, आरोपी कारु राम पर केस दर्ज

हाजीपुर। वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र में एक महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस संबंध में FIR दर्ज कर ली है। महिला के मुताबिक, 23 अक्टूबर 2026 को शाम करीब पांच बजे वह खेत में घास काट रही थीं। इसी दौरान गांव के कारु राम ने उन्हें अकेला देखकर कथित तौर पर जबरदस्ती की। महिला के चिल्लाने पर उनकी छोटी बच्ची ने घटना देखी, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उनके गले से सोने की चेलना भी छीन ली। घटना के बाद महिला अपनी बच्ची के साथ आरोपी के पिता के घर शिकायत करने पहुंचीं, जहां उनके साथ गाली-गलौज कर धमका दिया गया। महनार SDPO प्रवीण कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद FIR दर्ज कर ली गई है और जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

16 साल की नाबालिग का बाल विवाह रुकवाया, डीएम की पहल पर रैड टीम पहुंची, माता-पिता से लिया शपथ पत्र

हाजीपुर। वैशाली जिले में 16 साल की एक नाबालिग बच्ची का बाल विवाह रोक दिया गया। यह मामला सराय थाना क्षेत्र का है। बाल विवाह की सूचना मिलने पर जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने तुरंत एक टीम बनाई। टीम ने मौके पर पहुंचकर समय रहते विवाह रुकवा दिया। जिला प्रशासन ने बच्ची और उसके माता-पिता की काउंसलिंग की। उन्हें बाल विवाह के बुरे प्रभावों के बारे में बताया गया। परिवार से भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने का शपथ पत्र लिया गया। स्थानीय मुखिया से भी शपथ पत्र लिया गया, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। डीएम वर्षा सिंह ने जिले के लोगों से बाल विवाह जैसी कुरीति को खत्म करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना और उन्हें शिक्षा के अवसर देना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बाल विवाह की किसी भी सूचना को नजरअंदाज न करें और तुरंत प्रशासन को बताएं, ताकि नाबालिग बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

हाजीपुर में 5 लाख के ज्वेलरी चोरी, कटर से मेन डोर का ताला काटकर 4 कमरों से गहने उड़ाए

हाजीपुर। हाजीपुर के नगर थाना इलाके में दिनदहाड़े एक बंद मकान से करीब पांच लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो गए। चोरों ने कटर मशीन से मुख्य दरवाजे का ताला काटा और घर के चारों कमरों को खंगाल डाला। यह घटना तंगौल मिडिल स्कूल के पास हुई। पीड़िता पुष्पा कुमारी और उनके पति विकास कुमार ने बताया कि वे सुबह 8:30 बजे स्कूल गए थे और बेटा 9:30 बजे निकला। दोपहर 11 से 12 बजे के बीच चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। दोपहर करीब एक बजे बेटी के घर लौटने पर चोरी का पता चला। घर का सामान बिखरा था और मुख्य दरवाजे का ताला कटा हुआ था। चोरों ने अलमारी से हाथ के बाला, गले का हार, कान की बालियां समेत अन्य गहने और एक इलेक्ट्रॉनिक सामान चुराया। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने पीड़िता को थाने में लिखित आवेदन देने को कहा है।

चोरी का 24 घंटे में खुलासा, 2 आरोपी पकड़ाए, सीतामढ़ी-सारण से गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली के गौरील थाना क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने 24 घंटे में पता लगा लिया है। पुलिस ने सीतामढ़ी और सारण जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी में इस्तेमाल पिकअप वाहन और भारी मात्रा में एल्युमिनियम स्क्रेप, कबाड़ व बिजली के तार बरामद हुए हैं। बरामद सामान में 748 किलोग्राम एल्युमिनियम, 130 किलोग्राम कबाड़ और 206 किलोग्राम बिजली के तार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, मामले की गंभीरता पर एसएसपी शुभांक मिश्रा के निर्देश पर एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस टीम ने जल्दी कार्रवाई कर चोरी का खुलासा किया और दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सीतामढ़ी के जितेंद्र झा और सारण के हरेंद्र राय के पति पर हुई है। पुलिस उनसे पूछताछ कर उनकी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि चोरी में और लोग शामिल थे या नहीं। बियाड़ा स्थित जिंदालको मेटल फैक्ट्री से ये सामान जन्त किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

26 अक्टूबर तक शुष्क रहेगा मौसम, 27-1 नवंबर के बीच कुछ जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती

पटना। बिहार में 26 अक्टूबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 2 दिन बाद मौसम का मिजाज बदल सकता है। 27 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। इस दौरान करीब 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। इसके बाद तापमान में गिरावट होगा। इस कारण ठंड भी बढ़ेगी। बारिश की वजह से फसलों को नुकसान हो ही सकता है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 24 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे तक बंगाल की खाड़ी के मध्य और आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैलने और मजबूत होने की आशंका है। 25 अक्टूबर को बिहार के अधिकांश जिलों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। बिहार के सभी जिलों को ग्रीन जोन में रखा गया है। दिन में धूप निकलने से गर्मी महसूस हो सकती है, जबकि सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट के कारण फेब्रिल ठंड का अहसास हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार पटना में 27 अक्टूबर की सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। दोपहर-शाम या रात के समय बादलों की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 28 अक्टूबर को भी पटना में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

पटना में रिटायर्ड एडीएम के घर चोरी

पटना। पटना में एक रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी (ADM) के घर में चोरी की वारदात हुई है। घर की मालकिन अपने बेटे से मिलने कोलकाता गई थीं। इसी दौरान चोरों ने मकान का ताला तोड़कर करीब 2 लाख रुपए नकद और कुछ गहने चुरा लिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। घटना प्रकृष्णगुप्ती थाना क्षेत्र के गांधीनगर में हुआ है। जानकारी के अनुसार, मकान 8 अक्टूबर से बंद था। घर की मालकिन अपने बेटे से मिलने कोलकाता गई थीं। रविवार सुबह जब वह वापस लौटीं, तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाने पर सामान बिखरा हुआ था और चोरी का पता चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पीड़िता की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। आवेदन के मुताबिक, घर से करीब 2 लाख रुपए नकद और कुछ छोटे-मोटे गहने गायब हैं। चोरी गए सामान की वास्तविक कीमत जांच के बाद स्पष्ट होगी। महिला का बेटा भी कोलकाता में अधिकारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों और विधि विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) की टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

पत्रकारों की पेंशन और सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर : मंत्री लखेंद्र रौशन

एजेंसी, जन्दाहा (वैशाली)

मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी के तत्वावधान में वैशाली जिले के जन्दाहा प्रखंड में ‘हमारी आवाज पत्रकार सम्मेलन’ का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बिहार सरकार के अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह प्रदेश बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं वरिष्ठ पत्रकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन और जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और विकसित भारत के निर्माण में पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पत्रकार अपने परिवार के साथ-साथ समाज की समस्याओं को भी प्रार्थमिकता देते हैं और कई बार जोखिम उठाकर जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं।

मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन ने कहा कि मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी की ओर से उठाई गई मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। लंबे समय से पत्रकारिता कर रहे वरीय पत्रकारों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को पेंशन योजना से जोड़ने की पहल की जाएगी। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए पत्रकार सुरक्षा आयोग तथा पत्रकार कल्याण कोष के गठन की

- ♦ **जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा बोले - पत्रकारों की हर समस्या का होगा निदान, मांग पत्र लेकर मुख्यमंत्री से मिलूंगा**
- ♦ **पूर्व सांसद रामा किशोर सिंह ने उठाई प्रखंड स्तरीय पत्रकारों की आवाज, बोले - सरकारी स्तर पर बैठने की व्यवस्था हो**
- ♦ **जन्दाहा में ‘हमारी आवाज पत्रकार सम्मेलन’ का आयोजन, पत्रकार सुरक्षा आयोग और कल्याण कोष के गठन की उठी मांग**
- ♦ **वरीय पत्रकारों को पेंशन योजना से जोड़ने की पहल, ग्रामीण एवं प्रखंड स्तरीय पत्रकारों को मान्यता देने पर जोर**

मांग पर भी सरकार के स्तर पर पहल की जाएगी। जनता दल यू के प्रदेश अध्यक्ष विधायक उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पत्रकार जान जोखिम में डालकर समाज की आवाज को उठाते हैं। सरकार उनकी समस्या को हर स्तर पर निदान करेगी। इस संगठन की स्थापना 2005 में हुई और उस समय से बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों को बीमा योजना, पेंशन योजना दिया। आने वाले में जो भी मांग है उसे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर हमारी आवाज कार्यक्रम में जो भी मांग पत्र दिया गया है उसको निदान करने की पहल करेंगे।

पूर्व सांसद ने भी उठाई समस्याओं की समस्याएं: सम्मेलन में उपस्थित पूर्व सांसदों ने पत्रकारों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। लंबे समय से पत्रकारिता कर रहे वरीय पत्रकारों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को पेंशन योजना से जोड़ने की पहल की जाएगी। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए पत्रकार सुरक्षा आयोग तथा पत्रकार कल्याण कोष के गठन की

स्तर पर बैठने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि उन्हें अपने कार्यों के निपादन में सुविधा मिल सके। पत्रकार सम्मेलन में अब वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, बेतिया और सारण जिले के साथ नेपाल के पत्रकार शामिल हुए।

पत्रकारों की मांगों को सर्वसम्मति से किया गया पारित... सम्मेलन में पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा, सम्मान, मान्यता और कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न मांगों को सर्वसम्मति से पारित कर सरकार तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। प्रमुख मांगों में बिहार पत्रकार संरक्षण आयोग का गठन, पत्रकारों की सुरक्षा एवं अधिकारों का संरक्षण, ग्रामीण और प्रखंड स्तर पर कार्यरत पत्रकारों को मान्यता प्राप्त पत्रकार का दर्जा देना तथा मान्यता संबंधी आवेदन में जिला और अनुमंडल के साथ

प्रखंड का कॉलम जोड़ना शामिल रहा। इसके अलावा मान्यता प्रक्रिया में लागू कोटा



प्रणाली समाप्त करने की भी मांग उठाई गई। सम्मेलन में यह भी मांग की गई कि 58 वर्ष की आयु पार कर चुके वरीय पत्रकारों को पत्रकार पेंशन योजना के दायरे में शामिल किया जाए, ताकि लंबे समय तक पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सेवा करने वाले लोगों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा मिल सके। पत्रकारों ने सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मीडिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए प्रेस क्लबों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक जिले के प्रेस क्लब में जिला प्रशासन की ओर से मासिक पत्रकार गोष्ठी आयोजित करने की मांग भी रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने की। जिला मंत्री सह कार्यक्रम संयोजक ब्रजेश ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि पत्रकार अमरेंद्र तिवारी ने मंच संचालन किया। वरिष्ठ पत्रकार मोहन कुमार सुधांशु और अनिरुद्ध राजा ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला बीस सूत्री सदस्य अशोक कुमार चौधरी, जन्दाहा थानाध्यक्ष अनामिका कुमारी, मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी के मुजफ्फरपुर जिलाध्यक्ष रंजन कुमार, पत्रकार मनीष कुमार, विनोद पासवान, अरुण कुमार राय, सुमंत कुमार, प्रशांत कुमार क्रांतिकारी, राजेश कुमार, संतोष वर्मा, नागमणि, आनंद मोहन, शुभम कुमार, संजय कुमार सिंह, नवनीत कुमार, अजीत कुमार, मुखिया प्रतिनिधि शशिकांत, अशोक कुमार, अनूप लाल सिंह, अमित कुमार, संतोष कुमार, सुभाष कुमार, वशिष्ठ नारायण सिंह, मनोज मनोहर, सुधीर पासवान, रलेश कुमार, रेणु देवी, उदय कुमार, अखिलेश कुमार, अरुण कुमार, वीरेंद्र कुमार सिंह, शैलेश कुमार सिंह, कैलाश पासवान, संजय पासवान, अर्जुन पटेल, अभिषेक कुमार विक्की, जितेंद्र कुमार चौधरी, मदन मोहन गुप्ता, अमरेश कुमार, रणधीर कुमार झा, कुंदन कुमार और दिनेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मर्डर के आरोपी का एनकाउंटर, पैर में मारी गोली

एजेंसी, पटना

पटना में पुलिस और अपराधी की बीच मुठभेड़ हुई है। मर्डर के आरोपी को पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी है। गोली अपराधी के पैर में लगी है। अपराधी की पहचान सौरभ सिंह(28) के रूप में हुई है। सौरभ कंकड़बाग के पत्रकार नगर का रहने वाला है। एनकाउंटर बखियापुर थाना क्षेत्र में कल्याण बीघा रोड हुआ है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से पटना रेफर कर दिया गया है। बदमाशों के पास से 5 पिस्टल और 50 से ज्यादा कारतूस मिले हैं।

रामकृष्णनगर के भूपतिपुर गौराज संचालक अंजनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसी मामले में सौरभ मुख्य आरोपी है। बिल्डर से 20 लाख रुपए की सुपारी ली थी और अंजनी की हत्या की थी। सौरभ के साथ दो शूटर्स भी पकड़े



गए हैं। सौरभ पर दो हत्या और दो आर्म्स एक्ट के केस हैं। सौरभ पटना में इंडिगो मैनेजर रुपेश हत्याकांड में शूटर था।

हथियार रिकवर करने गई थी पुलिस: SDPO- 2 बाढ़ आयुष श्रीवास्तव ने बताया गैराज मालिक मर्डर केस में 24 अक्टूबर को तीन लोग को गिरफ्तार किया गया था। जिसमें एक सौरभ सिंह,समर्थ दुबे और तीसरा दीपांशु मिश्रा शामिल हैं। इनके बयान के आधार पर चित्रकूट नगर थाना में पहले भी कुछ रिकवरी की गई थी और इसके साथ ही इनका

जो कबूलनामा का स्टेटमेंट लिया गया, उसमें जो मुख्य अपराधी सौरभ सिंह है, उन्होंने बताया कि इन लोगों ने हथियार, जिससे अंजनी कुमार की हत्या हुई थी, उसको यहां पर कल्याण बीघा रोड, बखियापुर थाना क्षेत्र के नमो गंगा प्रोजेक्ट के पास में छुपा कर रखा है। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और फायरिंग की। पुलिस की एक गोली सौरभ के पैर में लगी। गोली लगने के बाद उसे कब्जे में लेकर घायल को पीएचसी बखियापुर में भेजा गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए PMCH पटना

गौरीचक में राइस मिल संचालक को पिस्टल दिखाकर धमकाया

एजेंसी, पटना

पटना जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र के कांडप गांव में एक राइस मिल संचालक से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और रकम नहीं देने पर हत्या की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाश बालाजी राइस मिल में घुसे, संचालक के साथ गाली-गलौज की और पिस्तौल दिखाकर दहशत फैलाते हुए रंगदारी की मांग की। घटना के बाद इलाके में हड़कूप मचा हुआ है। पीड़ित संजय कुमार ने गौरीचक थाने में लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।



पीड़ित के अनुसार, घटना से संबंधित पूरी वारदात CCTV कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित संजय कुमार, पिता स्वर्गीय रामदेव सिंह, निवासी कांडप गांव के आवेदन के मुताबिक, 23 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:40 बजे गांव के ही दो व्यक्ति कथित तौर पर उनकी बालाजी राइस मिल में पहुंचे।

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर-खगौल रेलवे स्टेशन के बाहर गाड़ियों से पार्किंग के नाम पर कथित अवैध वसूली रोकने की कार्रवाई एक सिपाही के लिए विवाद की वजह बन गई। आरोप है कि एजेंट को पकड़ने से नाराज दरोगा राजेश राम ने थाने में सिपाही सह चालक संजीत कुमार की पिटाई कर दी। इसके बाद पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची महिला सिपाही काजल कुमारी के साथ भी अभद्रता करने का आरोप है। घटना के बाद थाना परिसर में कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल रहा पर तय की गई है।



एजेंट को गश्ती वाहन में बैठाने पर शुरू हुआ विवाद: जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम दानापुर स्टेशन के बाहर जाम लगा हुआ था। इसी दौरान गश्ती दल में शामिल सिपाही सह चालक संजीत कुमार ने ऑटो से पार्किंग के नाम पर कथित अवैध वसूली कर रहे एक एजेंट को पकड़कर गश्ती वाहन में बैठा लिया। इसी कार्रवाई को लेकर

खगौल थाने में दरोगा ने सिपाही पर तानी पिस्टल

दरोगा राजेश राम और संजीत कुमार के बीच सड़क पर ही कहासुनी शुरू हो गई। संजीत का आरोप है कि दरोगा ने उसे छोटा मुलाजिम बताते हुए गाली-गलौज की। थाने पहुंचने पर विवाद और बढ़ गया।

संजीत के मुताबिक, थाने पहुंचने पर गाड़ी से उतरते ही दरोगा ने संजीत को पकड़कर लात-धूसों से पीटना शुरू कर दिया। बचाव में उसने डंडा उठाया तो दरोगा ने कमर से पिस्टल निकाल ली और गोली मारने की धमकी देने लगे। और सुनकर थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों को अलग कराया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंची महिला सिपाही काजल कुमारी के साथ भी अभद्रता किए जाने का

आरोप है। घटना से आहत महिला सिपाही के रोते हुए थाना परिसर के अंदर चली गई। पीड़ित सिपाही सह चालक संजीत कुमार ने बताया कि स्टेशन के बाहर जाम की स्थिति थी। इसी दौरान उसने कथित अवैध वसूली कर रहे एजेंट को पकड़कर गाड़ी में बैठाया था। संजीत का आरोप है कि इसी बात पर दरोगा ने उसके साथ मारपीट की और पिस्टल तान दी। संजीत ने दावा किया कि पूरी घटना थाने में लगे CCTV कैमरों में कैद हुई है। उसने फुटेज की जांच कराने की मांग की है।

मामले में दरोगा का पक्ष और पुलिस विभाग की आधिकारिक कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

5 करोड़ के मानहानि नोटिस पर सुधाकर सिंह का जवाब, बोले- मौत के मामले में सवाल उठाना जनप्रतिनिधि का दायित्व, लोकसभा अध्यक्ष से मामला सज्ञान में लाने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कुंदन कुष्णन की ओर से पांच करोड़ रुपये के मानहानि नोटिस भेजे जाने के मामले में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने भाजपा पक्ष के खिलाफ उठाया था। उनके मुताबिक, इस मामले में बिहार एसटीएफ की कार्रवाई के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, मृतक की मां की शिकायत पर प्रार्थमिकी दर्ज की गई और राज्य सरकार ने 20 जून 2026 को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया।

यह जांच कराने का अनुरोध किया है कि कहीं कानूनी नोटिस का उद्देश्य उनके संसदीय दायित्वों के निर्वहन को प्रभावित करना तो नहीं है।

भरत भूषण तिवारी की मौत पर उठाए थे सवाल: सांसद सुधाकर सिंह ने भाजपा जिले के बिलौटी गांव में 17 जून 2026 को भरत भूषण तिवारी की मौत का मामला उठाया था। उनके मुताबिक, इस मामले में बिहार एसटीएफ की कार्रवाई के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, मृतक की मां की शिकायत पर प्रार्थमिकी दर्ज की गई और राज्य सरकार ने 20 जून 2026 को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया।



सुधाकर सिंह ने कहा कि जांच पूरी होने और निष्कर्ष सामने आने से पहले किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है, लेकिन किसी अधिकारी को सवालों से परे भी नहीं माना जा सकता।

6 अक्टूबर को भेजा गया था कानूनी नोटिस: राजद सांसद के मुताबिक, कुंदन कुष्णन के अधिवक्ता की ओर से 6 अक्टूबर 2026 को उन्हें कानूनी

नोटिस भेजा गया। नोटिस में उनके वक्तव्यों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक बताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने, संबंधित आरोप वापस लेने और भविष्य में ऐसे बयान नहीं देने की मांग की गई है। सांसद का कहना है कि नोटिस में 15 दिनों के भीतर इन मांगों को पूरा नहीं करने पर पांच करोड़ रुपये के दीवानी हर्जाने का दावा करने और आपराधिक कार्रवाई शुरू करने की चेतावनी दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि पांच करोड़ रुपये की राशि किस आधार पर तय की गई है।

सांसद ने बताया कि उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 22 अक्टूबर को नोटिस का जवाब भेजा। इसमें तीन प्रमुख आपत्तियां

उठाई गई हैं। हस्ताक्षर और प्राधिकार पर सवाल: सांसद के मुताबिक, नोटिस के साथ कुंदन कुष्णन के हस्ताक्षर या उनके सत्यापित निर्देश और अधिवक्ता के प्राधिकार से जुड़े दस्तावेज संलग्न नहीं हैं। उनका कहना है कि नोटिस में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के साथ बिहार सरकार और पुलिस विभाग की संस्थागत छवि का बचाव भी दिखाई देता है। सांसद के अनुसार, नोटिस में सरकार की पूर्व स्वीकृति का स्पष्ट उल्लेख नहीं है और न ही इससे संबंधित आदेश या स्वीकृति-पत्र संलग्न किया गया है। ये आपत्तियां सांसद की ओर से रखी गई हैं। नोटिस जारी करने वाले पक्ष का जवाब उपलब्ध नहीं है। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने अखिल भारतीय सेवा (आचरण)

नियम, 1968 के नियम 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि आधिकारिक कृत्यों की आलोचना के संबंध में न्यायालय या प्रेस के माध्यम से प्रतिवाद करने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति से जुड़े प्रावधानों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूछा कि क्या राज्य सरकार ने इस कानूनी कार्रवाई की अनुमति दी है। यदि अनुमति दी गई है, तो उसका आदेश और दायरा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। यदि अनुमति नहीं दी गई है, तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि एक वरिष्ठ अधिकारी के आधिकारिक कार्यों से जुड़े सवालों पर निजी कानूनी कार्रवाई किस आधार पर की जा रही है।

सड़कों पर नई पीढ़ी

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेरोजगम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि वे आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव-उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अतः आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर-पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल-पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

सत्ता परिवर्तन का रास्ता भीड़तंत्र नहीं, जनमत-लोकतंत्र से

सौरभ वाघण्य

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि विविधताओं, सहिष्णुता, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पहचाना जाने वाला देश भी है। यहां सत्ता परिवर्तन का अधिकार जनता को प्राप्त है और यही अधिकार भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन जब देश में सत्ता परिवर्तन को लेकर बांग्लादेश जैसे घटनाक्रम का उदाहरण दिया जाता है या रिजमी चेंज अर्थात शासन व्यवस्था को बदलने की बात कही जाती है, तो इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। भारत जैसे विशाल और परिपक्व लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का सत्ता संवैधानिक व्यवस्था, जनमत और शांतिपूर्ण आंदोलनों से होकर गुजरना चाहिए, न कि भीड़ के दबाव अथवा अराजकता से।

हाल के दिनों में विपक्ष पर भारत में भी बांग्लादेश की तर्ज पर सत्तापरिवर्तन की कोशिश करने के आरोप लगाए गए हैं। वरिष्ठ अधिकता प्रशांत भूषण के संदर्भ में भी रिजमी चेंज की बहस सामने आई है। ऐसे बयानों और आरोपों का मूल्यांकन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति के बयान का वास्तविक अर्थ उसके पूरे संदर्भ में समझना जरूरी है। केवल किसी शब्द के आधार पर किसी व्यक्ति या पूरे विपक्ष की उमंश पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी, यदि सत्ता परिवर्तन का आशय संवैधानिक प्रक्रिया से बाहर

जाकर सरकार को हटाने या व्यवस्था को अस्थिर करने से है, तो ऐसी सोच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है।

भारत और बांग्लादेश की राजनीतिक, सामाजिक तथा संवैधानिक परिस्थितियों में अंतर है। भारत में नियमित चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग, संसद, राज्य विधानसभाएं और संवैधानिक संस्थाएं सत्ता परिवर्तन के स्थापित माध्यम हैं। इन संस्थाओं की मजबूती ही लोकतंत्र की स्थिरता सुनिश्चित करती है। किसी दूसरे देश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम को भारत में दोहराने की कल्पना करना न तो आवश्यक है और न ही भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप। भारत की पहचान शांति, सहिष्णुता और संवाद की परंपरा से रही है। यहां सत्ता किसी व्यक्ति, दल या संगठन की स्थायी संपत्ति नहीं है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन देश और उसकी संवैधानिक व्यवस्था सर्वोपरि रहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा करना, जिनसे सामाजिक तनाव, हिंसा या संस्थागत अस्थिरता बढ़े, देशहित में नहीं हो सकता। लोकतंत्र और भीड़तंत्र के बीच स्पष्ट अंतर है। लोकतंत्र में जनता की आवाज सुनी जाती है, असहमति का सम्मान होता है और निर्णय कानून तथा संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार लिए जाते हैं। इसके विपरीत, भीड़तंत्र में संख्या और दबाव के बल पर निर्णय थोपने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है। यदि किसी सरकार को हटाने के लिए सड़कों पर भीड़ जुटाकर संवैधानिक



संस्थाओं पर दबाव बनाने या कानून-व्यवस्था को बाधित करने का रास्ता अपनाया जाए, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर कर सकता है। हालांकि, इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि जनता को आंदोलन करने या सरकार का विरोध करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। शांतिपूर्ण विरोध, धरना, प्रदर्शन, जनसभाएं और जनजागरण लोकतंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं। जब जनता किसी नीति, निर्णय या शासन के तरीके से असंतुष्ट होती है, तो उसे अपनी आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। आवश्यक यह है कि आंदोलन शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहें। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि जनता किसी सरकार से संतुष्ट नहीं है, तो उसके पास चुनाव में अपना मत देकर सरकार बदलने का अधिकार है। यही लोकतांत्रिक

व्यवस्था का सबसे प्रभावी और वैध माध्यम है। किसी सरकार की लोकप्रियता का आकलन नारा, सोशल मीडिया अभियानों या भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि व्यापक जनमत और चुनावी प्रक्रिया से किया जाना चाहिए। यदि किसी सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं, जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरतीं या शासन में गंभीर कमियां दिखाई देती हैं, तो विपक्ष का दायित्व है कि वह इन मुद्दों को जनता के सामने रखे। उसे वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करनी चाहिए, सरकार से जवाब मांगना चाहिए और लोकतांत्रिक तरीके से जनसमर्थन हासिल करना चाहिए। यदि जनता विपक्ष के विचारों से सहमत होती है, तो वह चुनाव में उसे सत्ता सौंप सकती है। इसमें न कोई असामान्यता है और न ही किसी प्रकार की अस्थिरता; यही लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसी प्रकार, यदि जनता वर्तमान सरकार को दोबारा चुनती है, तो

उस जनादेश का सम्मान करना भी सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में केवल अपनी पसंद के परिणाम को स्वीकार करना और प्रतिकूल जनादेश को नकारना उचित नहीं हो सकता। देश में जब भी किसी गंभीर जनसमस्या को लेकर आंदोलन होते हैं, तो उनका उद्देश्य जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाना और व्यवस्था में सुधार लाना होना चाहिए। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और नागरिक अधिकार जैसे मुद्दों या शांतिपूर्ण जनआंदोलन सरकारों को जवाबदेह बना सकते हैं। ऐसे आंदोलन लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करते हैं, बशर्ते उनका संचालन हिंसा और अराजकता से दूर रहकर किया जाए। विपक्ष का काम केवल सत्ता का विरोध करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार विकल्प प्रस्तुत करना भी है। इसी तरह, सत्तापक्ष को भी आलोचना से घबराने के बजाय

संसद का विशेष सत्र सरकार के लिए अग का दरिया?

सनत जैन

पिछले कुछ दिनों से लगातार खबर मिल रही है कि केंद्र सरकार एक बार फिर संसद का विशेष सत्र बुलाने जा रही है। दरअसल अभी तक मानसून सत्र का अवसान नहीं हुआ है। इसके पहले 16 से 18 अप्रैल 2026 को 30 दिन का विशेष सत्र पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले बुलाया गया था। परिसीमन बिल को महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन कानून के रूप में इसे पेश किया गया था 131 वां संविधान संशोधन विधेयक जिसे दो तिहाई बहुमत से पास होना था यह उस समय संसद में पास नहीं हो पाया था। इस बिल को दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से पास होना जरूरी था। अब परिस्थितियां बदल गई हैं। पूरे देश में मुख्य चुनाव आयुक्त जनेश कुमार की स्थिति को लेकर धरना और प्रदर्शन हो रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना में बगावत हो गई है। सरकार को ऐसा लगता है कि इस बिल को प्रस्तुत करने का सही समय है। तमिलनाडु में

टीएमके इंडिया गठबंधन से दूर हो गई है। सरकार इस बिल को आसानी के साथ पास करा लेगी। सरकार के सूत्रों का कहना है कि उसने दो तिहाई बहुमत जुटा लिया है। सरकार लगातार प्रयास कर रही थी, जिसके कारण मानसून सत्र का सत्रावसान भी नहीं किया गया था।

टीएमसी के जितने सांसद दल-बदल कानून के लिए जरूरी थे अभी उनका विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पर्याप्त संख्या में टीएमसी के सांसद नहीं होने से लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उन्हें अभी तक अनुमति नहीं दी गई है, जिसके कारण दल-बदल कानून के अंतर्गत सांसदों की सदस्यता भी खतरे में पड़ी हुई है। बिहार में जिस तरह से जनता दल यू को तोड़ा गया है, इस समय क्षेत्रीय दलों में जिस तरह भय भाजपा को लेकर देखा जा रहा है, आंध्र प्रदेश में भी चंद्रबाबू नायडू को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। जनमत इस समय सरकार के खिलाफ जाता हुआ दिख रहा है। सरकार के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के सहारे सरकार बनी



हुई है। ऐसी स्थिति में इसे सरकार के लिए एक बड़ा खतरा भी माना जा रहा है। देश में 50 साल के बाद एक बार फिर जनता सड़कों पर आ गई है 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के वोट का एक थे।

अब एक-एक करके सरकार नई-नई मुसीबतों में फंसीत चली जा रही है। न्यायपालिका के ऊपर भी भारी दबाव है। अब तो सुप्रीम कोर्ट के वकील भी खुलकर न्यायपालिका में जजों और सरकार के खिलाफ पर्याप्त दबाव बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में यदि सरकार विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन कानून को पास कराने की जिद में अड़ती है तो

कहा जा सकता है कि सरकार एक बड़ा रिस्क ले रही है। जब सरकार के खिलाफ एक प्कान देखने को मिल रहा है, ऐसी स्थिति में उस भ्रवं में फंसने के स्थान पर सरकार को अपने आप को सुरक्षित बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इस तरह का जोखिम उठाना एक बड़ा दुस्साहस है। सरकार को दो तिहाई बहुमत जुटाने के लिए 360 सांसदों के मत ही जरूरत होंगी। अभी एनडीए के पास 318 सांसद हैं। टीएमके के यदि 22 सांसद बिल का समर्थन करते हैं तो यह संख्या बढ़कर 340 हो जाएगी। इसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी को 20 सांसदों की

जरूरत है। राज्यसभा में एनडीए के पास 153 सांसद हैं, राज्यसभा में 162 सांसदों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर इतने नरो मार्जिन के साथ सरकार इतना बड़ा जोखिम ले रही है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है सरकार को अपने आप को बचाए रखने के लिए या तो इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है और उसे यह जोखिम मजबूरी में उठाना पड़ रहा है। बहरहाल जो भी हो सरकार विशेष सत्र बुलाकर यदि दर्शन की व्यवस्था, अलाा प्रवेश और सत्ता को निश्चित रूप से विश्वास होगा कि वह विशेष सत्र बुलाकर इस बिल को पास करा लेगी।

जोखिम भी साबित हो सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त जनेश कुमार को बचाने का सरकार जो प्रयास कर रही है उसके कारण सरकार की लोकप्रियता में कमी देखने को मिल रही है। पिछले 1 साल में ऐसेआईआर को लेकर जिस तरह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है, भारतीय जनता पार्टी का मुख्य चुनाव आयुक्त जनेश कुमार के पक्ष में उतरने से यह धारणा आम जनता के बीच में बनने लगी है कि चुनाव आयोग ने भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए करोड़ों मतदाताओं को मताधिकार अधिकार से वंचित किया है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को लगता है कि उनका भी भविष्य खतरे में है। ऐसी स्थिति में संसद के अंदर कब क्या हो जाएगा कुछ कहा नहीं जा सकता है। राजनीतिक प्रेक्षक संसद के विशेष सत्र को भाजपा की सबसे बड़ी रिस्क मान रहे हैं। निश्चित रूप से सरकार ने इस संबंध में काफी सोच-विचार किया होगा। सरकार को निश्चित रूप से विश्वास होगा कि वह विशेष सत्र बुलाकर इस बिल को पास करा लेगी।



मेघ राशि: आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को सराहना मिलेगी और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के मामले में खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

वृषभ राशि: अपने कार्यों में सफलता पाने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, हालांकि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। परिवार के किसी सदस्य के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, इसलिए संवाद बनाए रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में लापरवाही न बरतें।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए बौद्धिक और रचनात्मक कार्यों के लिए बेहतरीन साबित होगा। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे जो भविष्य में लाभ दिलाएंगे। सहकर्मियों के सहयोग से रुके हुए कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा और शुभ समाचार मिल सकता है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। कार्यस्थल पर काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है, जिससे मानसिक तनाव हो सकता है। लेन-देन से जुड़े मामलों में पूरी सावधानी बरतें और किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। परिवार के सदस्यों का समर्थन आपको कठिन परिस्थितियों से निकलने में मदद करेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

सिंह राशि: आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता चरम पर रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीतियां सफल होंगी और अधिकारी आपके काम से प्रभावित होंगे। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभदायक रहेगा और नए निवेश के अवसर मिल सकते हैं। दोस्तों और प्रियजनों के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

कन्या राशि: आज आपको अपने हर काम में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। आर्थिक मामलों में संयम बनाए रखें और बजट का ध्यान रखें। परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है। धैर्य और समझदारी से काम लेंगे तो परिस्थितियां जल्द ही आपके पक्ष में होंगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों और नए अवसरों से भरा रहेगा। व्यापार में कोई बड़ी डील फइलन हो सकती है, जिससे आर्थिक मजबूती आएगी। नैकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। पारिवारिक जीवन में मधुरता रहेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। कार्यस्थल पर किसी से बेवजह बहस करने से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। धन के मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है, फिजुलखर्च से बचें। परिवार का माहौल अनुकूल रहेगा और परिजनों का सहयोग आपको संबल देगा।

धनु राशि: आज आपका भाग्य पूरी तरह से आपके साथ रहेगा और हर काम में सफलता मिलेगी। व्यापार में नए संबंध बनेंगे जो भविष्य में अत्यंत लाभदायक सिद्ध होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए स्रोत बनेंगे। परिवार में धार्मिक या मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

मकर राशि: आज आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सफलता आपके कदम चूमेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं, हालांकि निवेश करने से पहले विशेषज्ञों की सलाह अवश्य लें। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य रहेगा और बच्चों की ओर से शुभ समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या का पालन करें।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए प्रगतिशील रहेगा और नए विचार आपको प्रेरित करेंगे। नौकरी का आयुष्काल दोनो ही क्षेत्रों में तरक्की के नए द्वार खुलेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिति सुदृढ़ होगी और पुराने दिए गए कर्ज वापस मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ किसी नए प्रोजेक्ट की योजना बन सकती है। परिवार के साथ खुशनुमा पल बिताने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि: आज आपको आध्यात्मिक और मानसिक शांति का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा और सहकर्मि आपका सहयोग करेंगे। अचानक धन लाभ होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परिवार के सदस्यों के साथ किसी यात्रा या घूमने का प्लान बन सकता है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और एक-दूसरे के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

कोलकता भगदड़ : आस्था के उत्सव में मौत

कुमार कृष्णन

दुर्गा पूजा के पंडाल में मां के दर्शन की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को शायद अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि जिस उत्सव में वे अपने परिवार के साथ खुशियां बांटने आए हैं, वही उनके जीवन की सबसे भयावह स्मृति बन जाएगा। कोलकाता के चोरबागाना सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर की शाम भगदड़ ने आस्था, उल्लास और उत्सव के वातावरण को चीख-पुकार में बदल दिया। जिन हाथों में पूजा की थालियां थीं, वे अपनों को बचाने के लिए बेचेन थे। जिन आंखों में मां दुर्गा के दर्शन की उम्मीद थी, उनके सामने अपनों को खोने का असहनीय दृश्य था। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है।

दुर्गा पूजा बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। कोलकाता में पूजा पंडाल केवल धार्मिक अनुष्ठान के बंधन में नहीं बंधे, बल्कि कला, शिल्प, सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक जीवन के जीवंत प्रतीक भी हैं। हर साल लाखों लोगों पंडालों में दर्शन करने और उनकी कलात्मक सजावट देखने पहुंचते हैं। इस व्यापक जनभागीदारी के कारण पूजा आयोजनों की जिम्मेदारी भी सामान्य धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक हो जाती है। जब किसी

पंडाल में बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तो आयोजकों, पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान लगाकर तैयारी करनी चाहिए। चोरबागाना की घटना के बाद सामने आई शुरुआती खबरों में भारी बारिश, भीड़ के दबाव और प्रवेश-निकास की व्यवस्था को लेकर लगाना उठे। पुलिस ने बताया कि शाम लगभग 7 बजकर 40 मिनट पर गिरिश पार्क थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा पार्क स्थित चोरबागाना पूजा पंडाल के निकास द्वार पर भीड़ के कारण भगदड़ की स्थिति बनी। लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया और पंडाल में दर्शन रोक दिए गए। इन शुरुआती जानकारीयों के आधार पर दुर्घटना के प्रत्येक कारण का अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इसके लिए निपक्ष जांच जरूरी है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि घटना ने भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा की तैयारियों की समीक्षा को अनिवार्य बना दिया है। सबसे बड़ा सवाल है कि जब मौसम खराब हो रहा था और पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही थी, तब लोगों की आवाजही को नियंत्रित करने के लिए क्या व्यवस्था थी? क्या प्रवेश और निकास के रास्ते पर्याप्त चौड़े थे? क्या आपातकालीन निकास की व्यवस्था थी? क्या भीड़ की अधिकतम सीमा तय की गई थी? क्या पुलिस और स्वयंसेवकों के पास भीड़ को अलग-अलग दिशाओं में व्यवस्थित करने की

योजना थी? क्या किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का अभ्यास किया गया था? इन सवालों के जवाब केवल चोरबागाना की घटना के लिए नहीं, बल्कि देशभर में आयोजित होने वाले बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए जरूरी हैं।भारत में धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ से जुड़ी दुर्घटनाएं बार-बार होती रही हैं। कभी मंदिरों में, कभी तीर्थस्थलों पर, कभी धार्मिक जुलूसों में और कभी बड़े सार्वजनिक समारोहों में। हर ऐसी घटना के बाद शोक व्यक्त किया जाता है, मुआचक हो जाता है, पंडाल के आदेश दिए जाते हैं और कुछ समय तक सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा चलती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अगला उत्सव आता है, भीड़ जुटती है और वही पुरानी कमजोरियां नए हादसे की आशंका पैदा करने लगती हैं। यह सिलसिला बताता है कि समस्या केवल किसी एक अधिकारी की लापरवाही या किसी एक आयोजन की अव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इसके पीछे सुरक्षा को लेकर हमारी संस्थागत सोच की कमियां भी हैं।

भीड़ अपने आप में दुर्घटना का कारण नहीं होती। समस्या तब पैदा होती है जब लोगों की संख्या उपलब्ध स्थान की क्षमता से अधिक हो जाती है, आवाजही के रास्ते अवरुद्ध होते हैं, प्रवेश और निकास का प्रवाह बिगड़ता है या किसी अफवाह, अचानक हुई बारिश

अथवा अप्रत्याशित घटना से लोग एक साथ आगे बढ़ने लगते हैं। भीड़ के दबाव में गिरा हुआ व्यक्ति दूसरों के लिए भी खतरा बन सकता है। ऐसे समय में कुछ क्षणों की अव्यवस्था जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती या बैरिकेड लगाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक आकलन, प्रशिक्षित कर्मियों, स्पष्ट संकेत और आपातकालीन निकासी की समन्वित व्यवस्था जरूरी है। धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा में मौसम संबंधी जोखिमों को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बारिश, बिजली गिरने की आशंका, तेज हवा और जलभराव जैसी परिस्थितियां किसी आयोजन की व्यवस्था को तैनाती से बढ़ाकर प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आयोजकों के पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। भीड़ को सुरक्षित स्थानों पर रोकने, प्रवेश अस्थायी रूप से बंद करने, लाउडस्पीकर के माध्यम से स्पष्ट निर्देश देने और जरूरत पड़ने पर आयोजन स्थगित करने का निर्णय समय रहते लिया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को दर्शन से रोकना कुछ समय के लिए अप्रिय लग सकता है, लेकिन लोगों की जान बचाने के सामने ऐसी असुविधा का महत्व बहुत कम है। दुर्घटना के बाद मुआवजा देना मानवीय सहायता का जरूरी हिस्सा है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता,

कानूनी मदद और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए। घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। लेकिन मुआवजा किसी व्यक्ति की जिंदगी का विकल्प नहीं हो सकता। एक परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए, किसी मां की गोद उजड़ जाए या किसी बच्चे के सिर से माता-पिता का साया उठ जाए, तो आर्थिक सहायता उस क्षति को पूरा नहीं कर सकती। इसलिए सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता केवल हादसे के बाद राहत देने की नहीं, बल्कि हादसे से पहले उसे रोकने की होनी चाहिए। जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी दुर्घटना के बाद केवल पूजा समिति या किसी एक कर्मचारी को दोषी ठहरा देना पर्याप्त नहीं होगा। यह पता लगाना जरूरी है कि आयोजन की अनुमति किन शर्तों पर दी गई थी, सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन हुआ या नहीं, स्थल की क्षमता का आकलन किसने किया, पुलिस और प्रशासन की तैनाती कैसी थी तथा जोखिम बढ़ने पर समय पर क्या कदम उठाए गए। यदि आयोजकों, सुरक्षा एजेंसी या संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिन नियमों का पालन नहीं है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिन नियमों का पालन नहीं है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए और जिम्मेदारी का निर्धारण प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, आयोजन अस्थायी रूप से बंद करने का आधार पर। कोलकाता की इस त्रासदी

से देश के दूसरे शहरों को भी सीख लेनी चाहिए। दुर्गा पूजा, गणेशोत्सव, छठ, कांवड़ यात्रा, धार्मिक मेले, लीदों के वार्षिक उत्सव और बड़े सांस्कृतिक समारोहों में लाखों लोग शामिल होते हैं। प्रत्येक आयोजन की प्रकृति अलग हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत समान हैं। भीड़ की क्षमता के अनुसार प्रवेश-पत्र या समय-आधारित दर्शन की व्यवस्था, अलाा प्रवेश और निकास मार्ग, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, पर्याप्त प्रकाश, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा सहायता केंद्र, एंबुलेंस के लिए निर्बाध रास्ता और आपातकालीन निकासी की पूर्वनिर्धारित योजना अनिवार्य होनी चाहिए। केवल कागज पर योजना बना देना पर्याप्त नहीं है; उसका अभ्यास और नियमित निरीक्षण भी जरूरी है। आयोजन समितियों को भी यह समझना होगा कि लोकप्रियता और भीड़ का आकार ही सफलता का पैमाना नहीं है। बड़े पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रकाश व्यवस्था और प्रायोजकों की भागीदारी तभी सार्थक हैं, जब श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सकें। प्रशासन को अनुमति देते समय सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए और आयोजन के दौरान भी उनकी निगरानी करनी चाहिए। यदि भीड़ नियंत्रण से बाहर हो रही हो, तो किसी भी दबाव से मुक्त होकर प्रवेश रोकने या न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर। कोलकाता की इस त्रासदी

कोच गंभीर से किया वादा, फिर क्रीज पर दिखाया धैर्य, तिलक वर्मा ने ऐसे दिलाई भारत को जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत की जीत के बाद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि धीमी पिच, बड़े मैदान और तेज बाउंसर के बीच छक्के लगाना आसान नहीं था, इसलिए उन्होंने बड़े शॉट खेलने के बजाय संयम बरतने और मैच को आखिरी कर ले जाने पर ध्यान दिया। तिलक ने कहा कि उन्होंने कोच गौतम गंभीर और सितांशु कोटक से पारी को गहराई तक ले जाने का वादा किया था, जिसे निभाते हुए उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर भारत को एक गेंद शेष रहते जीत दिलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में तिलक वर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि विकेट



काफी चुनौतीपूर्ण था। खासकर अगर आप देखें - बड़ा मैदान, धीमी पिच और जब वे बाउंसर डाल रहे थे, तो गेंद काफी तेजी से आ रही थी। ऐसे में जब चाहें तब छक्का लगाना आसान नहीं था। पहले मैच में छक्के लगाना आसान था, लेकिन इस मैच में परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे समय में यह देखना जरूरी था कि हम किस तरह समझदारी से खेलते हैं। तिलक ने टीम को खिलाड़ियों की जरूरत है और उसी के अनुसार अपने खेल को ढालने के लिए तैयार रहते थे। विभिन्न क्रमों पर बल्लेबाजी करने की यह अद्भुत क्षमता आगे चलकर उनके बहुत काम आई। इसी प्रतिभा को पहचानते हुए मुंबई इंडियंस ने 2024 के आईपीएल मेगा ऑक्शन में टीम को 5.25 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा था।

दखाना चाहते थे। हमने एक-एक, दो-दो रन के लिए कड़ी मेहनत की और जब भी मौका मिला, हमने छक्के भी लगाए।तिलक वर्मा ने खुलासा किया कि जब नमन धीर बल्लेबाजी कर रहे थे, तब उनका मन भी बड़े शॉट खेलने का कर रहा था। हालांकि, उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से वादा किया था कि मैच को अंत तक ले जाने की कोशिश करूंगा। तिलक ने कहा कि पिछले मैच में उनका

रवैया थोड़ा रक्षात्मक था और वह शुरुआत में सिंगल लेकर पारी को आगे बढ़ाना चाहते थे। इस मैच में भी जब नमन हिट कर रहा था, तब मैंने संभलकर खेला। मैं स्पिनरों के खिलाफ बाउंड्री लगाना चाहता था, लेकिन मैंने संयम बरता और मैच को गहराई तक ले जाने का फैसला किया। इसके बाद जो हुआ, वह भगवान की योजना थी।" नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मैच जिताऊ साझेदारी करने से पहले तिलक वर्मा ने नमन धीर के साथ भी अहम साझेदारी की थी, जिसमें नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया था। नीतीश कुमार रेड्डी ने भी तिलक वर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि तिलक तेजी से रन दौड़ने में माहिर हैं और दोनों के बीच तालमेल काफी अच्छा है। नीतीश के मुताबिक, जब नमन धीर आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, तब तिलक ने अनावश्यक जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें स्ट्राइक देने पर ध्यान दिया।

एक समय क्रिकेट छोड़कर कनाडा जान चाहते थे नमन

एजेंसी, मुंबई

उभरते हुए क्रिकेटर नमन धीर आज भारतीय टी20 टीम के साथ ही न्यूजीलैंड दौर पर हैं जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। वहीं कुछ समय पहले वह टीम में जगह नहीं मिलने से निराश थे और यहां तक कि क्रिकेट छोड़ने और बेहतर भविष्य के लिए कनाडा जाने तक की योजना बना रहे थे। ये बात नमन के बचपन के दोस्त और पंजाब के क्रिकेटर सहज धवन ने कही। सहज के अनुसार साल 2021 में पंजाब के चयनकर्ताओं से लगातार मिल रही अनदेखी के



बाद नमन ने अपनी बहन के पास कनाडा जाने का फैसला कर लिया था। तब उस कठिन दौर में नमन के पिता और उनके कोच गगन सिद्धू ने उन्हें समझाया। दोनों ने नमन को कम से कम एक साल और क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया। इस सलाह ने नमन को एक बार फिर मैदान पर लौटने और कड़ी मेहनत जारी रखने का हौसला दिया, और

यहीं से उनकी किस्मत पलट गयी। सहज धवन ने नमन की सबसे बड़ी खूबी के बारे में भी बताया कि वह हमेशा चयनकर्ताओं की जरूरतों को समझने की कोशिश करते थे। वह देखते थे कि किस बल्लेबाजी क्रम पर टीम को खिलाड़ियों की जरूरत है और उसी के अनुसार अपने खेल को ढालने के लिए तैयार रहते थे। विभिन्न क्रमों पर बल्लेबाजी करने की यह अद्भुत क्षमता आगे चलकर उनके बहुत काम आई। इसी प्रतिभा को पहचानते हुए मुंबई इंडियंस ने 2024 के आईपीएल मेगा ऑक्शन में टीम को 5.25 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा था।

बिजनेस

सर्पाफा बाजार की गिरावट पर ब्रेक, सोना और चांदी की बड़ी चमक

साप्ताहिक आधार पर 5,080 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्पाफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में सोना आज 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बढलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण



ये चमकीली धातु दिल्ली सर्पाफा बाजार में आज 2,20,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट आने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 5,080 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार गिरावट का सामना करता रहा। आज

की तेजी के बावजूद चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर 9,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की

कीमत 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

26 को खुलेगा ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स का आईपीओ, 2 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

रियल एसेट्स और प्राइवेट क्रेडिट मार्केट्स पर केंद्रित अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में फंड मैनेज करने और वैश्विक व घरेलू संस्थागत निवेशकों, एचएनआई और फैमिली ऑफिसों को इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन देने वाली कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड का 1,200 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 अक्टूबर से सक्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। इस आईपीओ में निवेशक 28 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ लॉन्च होने से पहले ही 23 अक्टूबर को एंकर निवेशकों से 360 करोड़



रुपये जुटा लिए हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 अक्टूबर को अलॉटिड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो

जाएगी। कंपनी के शेयर 2 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,585 रुपये से लेकर 1,665 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 9 शेयरों का है। रिटेल इन्वेस्टर्स इस

इश्यू में कम से कम एक लॉट यानी 9 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,985 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट में 117 शेयर के लिए 1,94,805 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 72,07,207 शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह पूरा इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित है, यानी इसके तहत कोई भी फ्रेश शेयर जारी नहीं किया जा रहा है। आईपीओ के जरिये जुटाई गई पूरी रकम बेचने वाले प्रमोटर और शेयरहोल्डर एंजेल इन्वाइस सिक्वोरिटीज एंड इन्वेस्टमेंट्स

प्राइवेट लिमिटेड के पास जाएगी। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इस्टीम्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इस्टीम्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस पूरे इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर्स बनाया गया है, जबकि समयूफजी इन्टाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

एजेंसी, नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बदलते सुरक्षा हालात और यूरोपीय देशों की बढ़ती सैन्य जबरदस्ती से भारतीय रक्षा उद्योग को बड़ा अवसर मिला है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप के चुनिंदा देशों को भारत से होने वाले गोला-बारूद और संबंधित उत्पादों के निर्यात में 1,600 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बढ़ोतरी के साथ यूक्रेन को भी हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराया है। इससे उनके अपने भंडार पर दबाव बढ़ा और अतिरिक्त आपूर्ति के लिए दूसरे देशों की कंपनियों के साथ कारोबार के अवसर पैदा हुए।



अनुसार रूस और यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद के चार वर्षों में भारतीय कंपनियों ने यूरोपीय देशों को कम से कम 87.2 करोड़ डॉलर मूल्य के गोला-बारूद और संबंधित उत्पादों का निर्यात किया। इससे पहले के चार वर्षों में इन उत्पादों का निर्यात मूल्य करीब सिर्फ 4.92 करोड़ डॉलर था। यूक्रेन के पहले की और युद्ध शुरू होने के बाद की दोनों अवधियों की तुलना

से निर्यात में हुई तेज वृद्धि का पता चलता है। ये आंकड़े भारत के संपूर्ण रक्षा निर्यात के बजाय गोला-बारूद और उससे जुड़ी कुछ खास श्रेणियों के उत्पादों से संबंधित हैं। यूरोप में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ने की प्रमुख वजह लंबे समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध है। इस संघर्ष के कारण कई यूरोपीय देशों को अपने सैन्य भंडार की भरपाई करने और रक्षा तैयारियों को मजबूत बनाने की जरूरत पड़ी है। क्षेत्र के कुछ देशों ने यूक्रेन को भी हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराया है। इससे उनके अपने भंडार पर दबाव बढ़ा और अतिरिक्त आपूर्ति के लिए दूसरे देशों की कंपनियों के साथ कारोबार के अवसर पैदा हुए।

अनऑफिशियल टेस्ट : दूसरे दिन का खेल खत्म, पडिक्कल और सुदर्शन ने संभाली पारी

एजेंसी, लंका (न्यूजीलैंड)

इंडिया-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहली पारी में महज 113 रन पर सिमटने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर 106 रन बना लिए हैं।

इंडिया ए अभी भी न्यूजीलैंड-ए से 98 रन पीछे है। मेजबान टीम ने पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरे दिन भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज



यशस्वी जायसवाल पांच रन बनाकर आउट हो गए, जबकि केएल राहुल सिर्फ चार रन ही बना सके। दोनों बल्लेबाज पहली पारी में भी खास योगदान नहीं दे पाए थे। दूसरी पारी में महज 10 रन के ख्मर पर दो विकेट गिरने के बाद देवदत्त पडिक्कल और

साई सुदर्शन ने जिम्मेदारी संभाली और न्यूजीलैंड-ए के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 96 रन की अटूट साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने तक पडिक्कल 89 गेंदों पर नाबाद 56 रन

बना चुके थे, जबकि साई सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 39 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड-ए ने दूसरे दिन सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 135 रन से आगे बढ़ाई और 89.3 ओवर में 317 रन बनाए। इस तरह उसे पहली पारी के आधार पर 204 रन की बढ़त मिली। न्यूजीलैंड-ए के कप्तान रीस मारियू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 137 गेंदों पर 76 रन बनाए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन की पारी खेली। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज कर्टिस ह्रीफी ने 44, क्रिस्टियन क्लार्क ने 42 और विकेटकीपर मिशेल हे ने 24 रन का योगदान दिया।

विशेषज्ञ बोले, वैभव को तीसरे नंबर पर उतारना सही नहीं

एजेंसी, काइरतवर्ध

उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर क्रिकेट जानकारों ने नाराजगी जतायी है। वैभव मैच में 8 गेंद पर केवल 4 रन ही बना पाये थे। विशेषज्ञों का कहना है कि पारी की शुरुआत के लिए उतरने वाले वैभव को नंबर 3 पर खेलने का अंदाजा नहीं है क्योंकि उसने अपने छोटे से टी20 करियर में हमेशा एक सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला है। ऐसे में उन्हें अचानक तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना कहीं से भी ठीक नहीं है।



दूसरे टी20 में वैभव को इसलिए तीसरे नंबर पर भेजा गया क्योंकि टीम प्रबंधन अपनी स्थापित सलामी जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करना चाहता था। इसी रणनीति के कारण वैभव पिछले कुछ समय से अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पा रहे थे। वहीं जब ईशान किशन चोटिल हुए तो उनकी जगह पर वैभव

को शामिल किया गया। तब भी टीम प्रबंधन अपनी पूर्व-निर्धारित रणनीति से हटने को तैयार नहीं दिखा। हालांकि इससे पहले हुए एशियाई खेलों में जब संजु सैमसन, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी एक साथ अंतिम ग्यारह में थे। तब सैमसन ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी। दूसरे टी20 के बाद विशेषज्ञों ने कहा कि वैभव को नंबर 3 पर उतारना गलती थी। इससे वह कुछ नहीं कर पाये। उसने करीब आठ गेंदों तक संघर्ष किया लेकिन सफल नहीं विशेषज्ञों ने आगे यह भी कहा कि जब वैभव उतरे थे तब उनके साथ किसी अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत थी उन्हें सही मार्गदर्शन दे सके, पर ऐसा नहीं हुआ।

कुछ कुछ होता है के 28 साल बाद सना सईद को फिर मिली बचपन की यादें

‘उड़ता तीर’ ने दूसरे दिन भरी उड़ान, ‘दृश्यम 3’ की लंबी छलांग, ‘नई नवेली’ पर ‘प्रहार’ भारी



भारतीय सिनेमा की कालजयी रोमांटिक फिल्मों में शुमार कुछ कुछ होता है आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती है। साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म में बाल कलाकार के रूप में छोटी अंजलि का यादगार किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने हाल ही में अपने बचपन के उन सुनहरे पलों को एक बार फिर जीया है। फिल्म के प्रदर्शन के 28 साल पूरे होने के विशेष अवसर पर सना को अपनी वही पुरानी आइकॉनिक टी-शर्ट वापस मिल गई है, जिसे उन्होंने फिल्म के प्रसिद्ध कैप सनशाइन वाले दृश्यों में पहना था। सना सईद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक बेहद भावुक और सुंदर वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह वही लाल रंग की कैप सनशाइन टी-शर्ट पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने महज आठ साल की उम्र में शूटिंग के दौरान पहना था। वीडियो में फिल्म के कुछ बेहद लोकप्रिय दृश्यों की झलकियां भी शामिल हैं, जिनमें वह बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और सुपरस्टार सलमान खान के साथ अभिनय करती दिख रही हैं। इतने सालों बाद भी उस टी-शर्ट का उनके पास सुरक्षित होना और उसमें आज भी वही अपनापन महसूस होना सना के लिए बेहद खास पल बन गया। टी-शर्ट के साथ सना ने अपने बचपन से लेकर आज तक के सफर पर एक गहरा और विचारोत्तेजक संदेश भी लिखा। उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ साझा करते हुए लिखा कि एक समय उन्हें लगता था कि बड़े होने का मतलब अपने बचपन को पीछे छोड़ देना है, लेकिन समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि असल में व्यस्क होने का अर्थ अपने भीतर के उस छोटे बच्चे को ताउम्र साथ लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसकी नींव उसी आठ साल की बच्ची ने रखी थी जिसने बड़े-बड़े सपने देखे थे और मुश्किल दिनों में आगे बढ़ने का साहस दिया था। गौरतलब है कि

निर्देशक करण जौहर की बतौर निर्देशक पहली फिल्म कुछ कुछ होता है ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी मुख्य भूमिकाओं में थे, जबकि सलमान खान ने अमन के रूप में एक यादगार मेहमान भूमिका निभाई थी। इस भव्य स्टारकास्ट के बीच आठ साल की सना सईद ने अपनी मासूमियत और बेमिसाल अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। 28 साल बाद भी सना का यह भावुक अंदाज उनके प्रशंसकों को 90 के दशक की उन हसीन यादों में वापस ले गया है।



जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जौहर

बॉ बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जौहर ने स्वीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो कॉफी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवकोटा के साथ की।

बातचीत के दौरान जब विजय देवकोटा ने अदकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती हैं, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अपूरी इच्छाओं के बारे में पूछा,



तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद ईमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से साथी करना उनके लिए शायद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जौहर, जो कि सेरेगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों यश और रूही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि

उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संचल बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा इंसान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और श्रम मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवकोटा भी काफी प्रभावित नजर

आए। माहौल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सभी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जौहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि अपार सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

पुलिस कंपनी से हो रही राम गोपाल वर्मा की वापसी

अ अपनी नई क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी के साथ फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक ने एक विस्तृत नोट साझा करते हुए अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक और उसकी बहुप्रतीक्षित रिलीज डेट का खुलासा किया। यह फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिससे उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के मशहूर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे, जो कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। फिल्म के अनूठे शीर्षक पुलिस कंपनी को लेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में गहराई से समझाया। उन्होंने कहा, पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है, लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए इसका नाम पुलिस कंपनी है। यह व्याख्या फिल्म के गहरे और यथार्थवादी कथानक की ओर इशारा करती है, जहाँ कानून प्रवर्तन के अंदरूनी कामकाज और शक्ति के दुरुपयोग को खंगाला जाएगा।

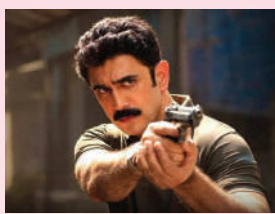


टी-सीरीज और आरजीवी कंपनी के संयुक्त प्रोडक्शन तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म, मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर (1997 से 2004) की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म उस विशेष एनकाउंटर स्क्वाड की कहानी को उजागर करेगी, जिसने इस अवधि के दौरान लगभग 300 गैंगस्टरों का सफाया किया था। पुलिस कंपनी केवल अपराध की दुनिया ही नहीं, बल्कि पुलिस की दुनिया के दूसरे पहलू को भी सामने लाएगी, जिसे वर्मा एक कंपनी के दूसरे रूप के तौर पर देखते हैं,

जहाँ नैतिकता और भ्रष्टाचार के बीच की महीन रेखा धुंधली पड़ जाती है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सना शेख, परेश रावल, सौरभ शुक्ला, मकरंद देशपांडे और अश्विनी कालसेकर जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो कहानी में कई परतें जोड़ेंगे। यह माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा को उनकी पिछली सफल अंडरवर्ल्ड जॉनर की फिल्मों जैसे कंपनी और सत्या की शैली में वापस लाएगी, जिसके लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

जांबाज पुलिस अधिकारी के कानून के कटघरे में पहुंचने की सरपेंस से भरी कहानी

बॉ बॉलीवुड में अपनी दमदार अदकारी के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता अमित साध एक बार फिर एक बेहद संवेदनशील और रोमांचक भूमिका के साथ बड़े पर्दे पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म प्रताप का मोशन पोस्टर हाल ही में जारी कर दिया गया है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। यह फिल्म एक ऐसे बेहदुर और निडर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी की कहानी पर आधारित है, जिसकी जिंदगी एक अप्रत्याशित मोड़ लेती है और वह खुद कानून की गिरफ्त में आ जाता है। जारी किए गए मोशन पोस्टर की शुरुआत समाचार पत्रों की विभिन्न सनसनीखेज सुर्खियों से होती है। इन सुर्खियों में एक बर्खास्त पुलिस अधिकारी, राइट्रायर जीव एंजेली (एसआई) द्वारा जारी गहन जांच, एक बड़े शहर में हार्ड-प्रोफाइल बम धमके की साजिश और एक



प्रभावशाली उद्योगपति के साथ संदिग्ध संबंधों के ताने-बाने को दिखाया गया है। इन खबरों के बीच अमित साध को लोहे की सलाखों के पीछे एक गंभीर और रहस्यमयी अवतार में दिखाया गया है, जो सीधे तौर पर इस बुनियादी सवाल को जन्म देता है कि जब रक्षक ही भक्षक के रूप में देखा जाने लगे या कानून का रखवाला खुद निशाना बन जाए, तो न्याय की व्यवस्था किस दिशा में जाएगी। फिल्म का कथानक इसी पहली के इर्द-गिर्द घुमता दिखाई देता है कि क्या अमित साध का किरदार किसी बहुत बड़ी

राजनीतिक या प्रशासनिक साजिश का शिकार हुआ है या फिर उसके अतीत में कोई ऐसा गहरा राज छिपा है जो धीरे-धीरे परत-दर-परत खुलेगा। फिल्म के मोशन पोस्टर ने सरपेंस को जो माहौल तैयार किया है, उसे आगे बढ़ाते हुए निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर 26 अक्टूबर 2026 को दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जबकि यह थ्रिलर फिल्म 20 नवंबर 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सचिन सारफ द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म प्रताप एक ऐसे जांबाज अधिकारी के नैतिक संघर्ष, उसके सिद्धांतों और व्यवस्था के साथ उसकी लड़ाई को बेहद यथार्थवादी ढंग से प्रस्तुत करती है। इस फिल्म में अमित साध के साथ-साथ ईशा देओल, सीमा बिस्वास और दिग्गज निर्देशक-अभिनेता तिमिंगु धुलिया जैसे मझे हुए कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टैटू स्टूडियो चलाते हैं तो इन बातों का रखें विशेष ध्यान

टैटू बनवाने से पहले लोग स्टूडियो की सफाई का खास ध्यान रखते हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से अहम भी है। इसकी पूरी जिम्मेदारी टैटू आर्टिस्ट के कंधों पर होती है, जो स्टूडियो चलाते हैं। अगर आप भी टैटू आर्टिस्ट हैं और अपने स्टूडियो को साफ-सुथरा रखना चाहते हैं तो ये टिप्स आपके लिए अहम हो जाते हैं। इनका ध्यान रख कर स्टूडियो भी साफ रहेगा और आप बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। टैटू बनाते समय इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को साफ रखना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि गंदे उपकरण संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इसलिए टैटू बनाने के बाद उपकरणों को साफ करने और उन्हें कीटाणुनाशक से साफ करने के बाद ही रखें। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद अपने उपकरणों को साफ करने के लिए अच्छे वलीनर का इस्तेमाल करें। इससे संक्रमण का खतरा कम होता है और ग्राहक का भरोसा भी बढ़ता है। टैटू स्टूडियो संचालक और



कलाकार अपने कपड़ों को भी साफ रखें, क्योंकि गंदे कपड़े भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इसलिए अपने कपड़ों को रोजाना धोएं और धुले हुए कपड़ों को ही पहनें। इसके अलावा टैटू बनवाने वाले

व्यक्ति को भी अपने कपड़ों का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही स्टूडियो में मौजूद सभी लोगों को भी अपने कपड़ों का ध्यान रखना चाहिए। इससे सभी सुरक्षित रहेंगे और स्टूडियो का माहौल भी साफ-सुथरा रहेगा। टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा को साफ करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपने स्टूडियो में कीटाणुनाशक

हथौं की सफाई है जरूरी हर टैटू स्टूडियो संचालक और कलाकार का सबसे पहला काम होना चाहिए कि वे अपने हाथों को साफ रखें। इसके लिए सबसे पहले तो टैटू बनाते समय रबर के दस्ताने पहनें और हर बार जब आप टैटू बनाना शुरू करें तो अपने हाथों को कीटाणुनाशक से साफ करें। साथ ही टैटू बनाने के बाद हाथों को साबुन से धोएं और साफ तौलिये से सुखाएं। यह सुनिश्चित करने से आप और आपका ग्राहक, दोनों सुरक्षित रहेंगे।

रखें और टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा को साफ करने के लिए उसका इस्तेमाल करें। इसके अलावा टैटू बनवाने वाले व्यक्ति की त्वचा पर टैटू बनाने से पहले कीटाणुनाशक लगाने से त्वचा में नमी बनी रहती है और टैटू बनाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इससे टैटू बनवाने वाले व्यक्ति को भी तसल्ली मिलती है।

BRIFF NEWS

Study traces how an El Nino changed the pollution map



New Delhi, Agency: Study traces how an El Niño changed the pollution map; the winter of 2022-23 was remarkably clean in north India with PM2.5 levels down by up to 30% from the average of the previous three years, while peninsular India was considerably dirtier, with average PM2.5 levels in Mumbai spiking by 45%. The next winter (2023-24), the pattern dramatically reversed: PM2.5 spiralled in the North, while falling sharply in peninsular India.

What changed within a span of a year? The big difference, as per a new study, was that 2022-23 was a La Niña year, while El Niño prevailed in the subsequent winter.

Coming ahead of India's peak pollution season, the paper, titled 'Air quality in flux: The baffling ENSO transition in India', published in Atmospheric Pollution Research journal Thursday, found that La Niña/El Niño conditions altered atmospheric circulation, PM2.5 transport pathways and weather conditions that determine whether pollution disperses or gets trapped.

That atmospheric conditions regulate pollution levels was always known. What the study shows is how the atmosphere in winters can behave very differently under El Nino and La Nina conditions, determining where pollutants accumulate and where they are carried away even when emissions remain broadly similar.

Fodder scam accused nabbed after 25 years had fled to Nepal



New Delhi, Agency: Ending a quarter-century-long game of hide-and-seek, CBI has arrested Satyendra Kumar, a key fugitive wanted in connection with Bihar's infamous Fodder scam. The suspect had fled to Nepal and was tracked down during a train journey he took upon returning to India, the agency said.

Acting on court orders, CBI had undertaken the probe into the multi-crore corruption scam involving the systematic embezzlement of funds from the Animal Husbandry Department in Bihar during the 1990s. High-profile political figures, including former Bihar chief minister Lalu Prasad Yadav, along with several senior bureaucrats and suppliers, have since been convicted in multiple cases related to illegal treasury withdrawals. The agency had filed dozens of FIRs to untangle a nexus of politicians, bureaucrats, suppliers and middlemen who siphoned off public funds through fake invoices for cattle feed, medicines and equipment.

Kumar, alleged to be a supplier, had been on the run since 2001, vanishing into the shadows immediately after the agency filed its charge sheet in the case.

Kerala governor Om Prakash Mathur's 'veg-only kitchen' diktat on first day of assuming office sparks row

New Delhi, Agency: Kerala governor Om Prakash Mathur's reported decision to make the Lok Bhavan kitchen vegetarian-only has sparked a political controversy, with Congress leader K C Venugopal accusing him of pushing the Sangh Parivar's agenda.

Mathur directed that non-vegetarian food should not be prepared or served in the Lok Bhavan kitchen. The reports surfaced on Thursday, a day before he assumed office, news agency Media reported.

Reacting to the reports shortly after Mathur was

sworn in as the 29th governor of Kerala, AICC general secretary Venugopal alleged that the decision went beyond the governor's personal food preferences and infringed on individual freedom.

Keralam has a diverse food culture and abundant fish resources as a coastal state, Venugopal said, adding that people had the freedom to choose between vegetarian and non-vegetarian food. "Any attempt to restrict the food habits Keralaites are accustomed to or dictate what they should eat from now on cannot be



accepted," he said as quoted by Media.

Venugopal argued that restrictions that "intrude" into people's food choices and seek to erase Keralam's traditional way of life vio-

late fundamental rights guaranteed by the Constitution.

He alleged that the governor was using his authority to "curtail" individual freedom instead of protect-

ing people's right to decide what to eat and how to live.

"This is a continuation of the unconstitutional interests of the Sangh Parivar. This is the first step towards implementing the saffron agenda of the Sangh Parivar in Keralam," the Alappuzha MP alleged.

While acknowledging Mathur's right to follow a vegetarian diet, Venugopal said the governor should not impose his personal preferences on the Lok Bhavan kitchen, whose employees include Keralaites. He urged Mathur to withdraw any decision

restricting food choices.

What Lok Bhavan sources said: Sources in the governor's office said Mathur was a strict vegetarian and had directed that non-vegetarian food not be prepared in the kitchen where his meals were cooked. They clarified that the kitchen's food was served only to the governor and a few members of his personal staff. Other employees either brought food from home or ate outside, and no restrictions had been imposed on their food choices, the sources said as cited by Media.

China's patrolling deviations disturb border MEA on ITBP DG's LAC face-offs remark

New Delhi, Agency: Following confirmation by ITBP of the continuing India-China military stand-off on the Arunachal Pradesh border, India once again cautioned China that maintaining peace and tranquility in the border areas was essential for the overall development of bilateral ties, echoing PM Narendra Modi's message to Chinese President Xi Jinping during their meeting last month.

The ministry of external affairs (MEA) on Friday did not go into the specifics of the latest face-off, choosing to refer the issue to the defence ministry, but said Chinese divergence from established patrolling patterns created disturbances at the border from time to time. "As we have noted in the past, the situation in India-China border



areas gets disturbed from time to time when Chinese forces diverge from established patrolling patterns," ministry spokesperson Randhir Jaiswal said, adding that the two sides had also agreed to discuss ways to improve understanding of the Line of Actual Control in appropriate areas for better border management. The official said both sides continued to use existing diplomatic and military mechanisms to resolve outstanding issues and avoid misun-

derstanding and miscalculation along the Line of Actual Control.

ITBP DG Shatruej Kapur had on Thursday publicly said that Indian and Chinese troops had lately been locked in face-offs at select points along the LAC in Arunachal Pradesh, which "are still continuing". He, however, added that the 'Shaurya' commandos of his force, deployed along the LAC, had done an "excellent job" in dealing with the face-offs.

The ITBP chief said India was focusing on building its drone and anti-drone capabilities as "conventional" military resources and infrastructure were not enough to take on the People's Liberation Army which had undergone a massive capacity upgrade and modernisation, making China a "very strong adversary".

Parl panel bats for intercensal surveys gender-inclusive census town norms

New Delhi, Agency : A parliamentary panel has called for "intercensal surveys" -- surveys between two successive censuses -- in India considering that cities and urban settlements undergo major changes in 10 years, and has also recommended review of the criteria for notifying "census towns" to make it more gender inclusive.

At present, to qualify an urban area to be a census town, 75% male main working population must engage in non-agricultural activities. As per Census Commissioner of India, the proportion of female workers engaged in non-agricultural activities is not used as a criteria for classifying 'census towns' because female workforce participation fluctuates significantly due to social factors, under-



reporting, and the informal nature of the work. The parliamentary standing committee on housing and urban affairs has recommended that this criteria is "based on a male-centric understanding of work and does not adequately reflect the growing participation of women in economic activities". The panel added, "It also fails to capture the contribution of women engaged in self-employment, informal work, home-based work, service sector activities and other forms of employment that are often undercounted."

Centre bans reuse of single-use medical devices across hospitals; flags recycling of disposables

New Delhi, Agency: The Centre has directed public and private health-care facilities across the country to strictly stop reusing medical devices and disposable surgical items meant for one-time use, flagging patient safety risks from the practice, particularly in critical care. In a letter dated Oct 16, the Directorate General of Health Services (DGHS) said it had come to its notice that some private and corporate hospitals were reusing single-use devices after sterilising them, including items used in cardiology, nephrology, oncology, cardiothoracic and vascular surgery (CTVS), neurosurgery and other clinical services.

The DGHS said that reuse could expose patients to cross-infection, device malfunction, reduced performance and other complications. It said the practice could violate provisions of the Drugs and Cosmetics Act, 1940, the Medical Devices Rules, 2017, the Clinical



Establishments Act, 2010, and applicable infection-control and biomedical waste management requirements. The directive calls on state health authorities and drug controllers to maintain strict vigilance, inspect and monitor healthcare establishments, and take action against violations under applicable laws and regulations. Devices labelled for single use must be used in accordance with the instructions and recommendations of the original equipment manufacturer.

The letter, addressed to health authorities in states and Union Territories, the Drugs Controller General of India (DCGI) and the

central govt health scheme (CGHS), also flagged cases in which patients were charged the full cost of devices that had been reused, or the cost was reimbursed by govt authorities.

The DGHS said the CGHS had issued an office memorandum on the issue in Nov 2016 for hospitals empanelled under the scheme.

Single-use devices reportedly reused in India include cardiac catheters and guidewires used in angiography and angioplasty, dialysis equipment, certain surgical instruments and disposable syringes and needles. Such practices raise concerns

about infection risks and patient safety, particularly when patients are not informed.

Welcoming the directive, the Association of Indian Medical Device Industry (AiMeD) said reuse of devices designed and validated for one-time use could put patients at risk. Its forum coordinator, Rajiv Nath, said enforcement should also clarify responsibility when a device is reused contrary to the manufacturer's instructions.

AiMeD called for regular inspections, traceable records of device use and disposal, staff training and action against violations. It also urged govt to ensure that cost does not become a reason for hospitals to reuse disposable devices. The directive places the responsibility for enforcement on state and UT authorities. However, the letter does not specify a new inspection schedule or a separate penalty for hospitals found reusing such devices.

Arms training case: US mercenary VanDyke, 6 Ukrainians to remain abroad till Feb 24

New Delhi, Agency: An NIA court Friday allowed US national Matthew Aaron VanDyke and six Ukrainian nationals accused in the Myanmar arms training case to remain in their home countries till Feb 24. The permission came after NIA told special judge Prashant Sharma of Rouse Avenue court that it needed more time to probe the UA(P)A offences against them.

"Further probe is ongoing and more time is required in order to ascertain and verify the facts about the commission of offences under UA(P)A in view of import and recovery of huge quanti-



ties of drones and accessories through India," it said.

VanDyke attended the court hearing Friday and sought the release of his seized personal articles. The seven accused had earlier sought six weeks to meet their families and were allowed to stay abroad till Oct 23. They were arrested on March 13 for allegedly training insurgent-linked groups in Myanmar.

'Disappointed? You're not alone': FIR filed over posters in Delhi Metro questioning govt

New Delhi, Agency: An FIR has been registered against unidentified persons after two posters questioning the government's performance were found pasted inside a train on the Delhi Metro's Airport Express Line, news agency Media reported citing police sources.

The posters, printed in black and white on A4-sized sheets, featured phrases such as "Voting Protest", "You Can Change Your Own Life", "Spectrum of Engagement", "Community Building Reform" and "Dissatisfied? You Are Not Alone".



They also listed nine claims about changes in the country in recent years and carried a QR code inviting people to join an online group, the sources said.

According to the FIR, the incident came

to light on October 20 when Tarun Chaudhary, a Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) train operator deployed on the Airport Express Line, spotted the posters during an inspection. Chaudhary had oper-

ated a train from New Delhi station to Yashobhoomi, leaving at around 6.50pm and arriving at approximately 7.15pm. While checking the train from inside the cabin, he noticed the two posters pasted on a seat. He removed the material and alerted his senior officers and the Operations Control Centre.

He was subsequently instructed to hand the posters over to the station controller at Dwarka Sector 21, who informed the police. The posters were seized by police on Friday, and the special cell has also joined the investigation.

India highlights nuclear advances, development partnerships at UNGA session

New Delhi, Agency: India has reaffirmed its commitment to the safe, secure and peaceful uses of nuclear science and technology at the 81st session of the United Nations General Assembly (UNGA), highlighting the role of the International Atomic Energy Agency (IAEA) in promoting sustainable development and strengthening institutional capacities.

Sangeeta Kumari Singh Deo, Member of Parliament and leader of the Indian Parliamentary Delegation, addressed the General Assembly on the report of the IAEA, underlining the agency's role in helping member states develop human and institutional capacities, including regulatory frameworks for the peaceful application of nuclear science. In a post on X, India's mission to the UN said Singh Deo highlighted India's advancements in nuclear technology and its support for the IAEA's Technical Cooperation Programme and flagship initiatives. The mission also said India had reiterated its commitment to South-South coopera-



tion to ensure that the benefits of nuclear science reach countries seeking them, while maintaining robust nuclear safety and security frameworks.

Countries thank India for development assistance: Separately, several countries acknowledged India's development assistance at the Ninth Annual India-UN Development Partnership Fund event held on October 22. Representatives from Laos, Sri Lanka, Tanzania, Micronesia, Moldova, Morocco and Saint Lucia were among those expressing appreciation for India's support.

Moldova's Permanent Representative to the UN, Ambassador Gheorghe Leuca, said the partnership had strengthened the country's ability to use population data to improve public policies.